IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 5, Issue 1, May 2019 Impact Factor: 4.819

भोजपुर जिले में सामाजिक परिवर्तन में आर्य समाज की भूमिका: एक समाजशास्त्रीय अध्ययन

स्वर्णलता रानी

समाजशास्त्र विभाग की शोधार्थी,

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा, बिहार, भारत

सारांश: उन्नीसवीं शताब्दी का बिहार प्रांत, विशेषकर भोजपुर जिला, सामंती सामाजिक संरचना, जातिगत विषमता, स्त्री-शिक्षा के अभाव तथा धार्मिक रूढ़िवाद जैसी अनेक सामाजिक चुनौतियों से घिरा हुआ था। इसी पृष्ठभूमि में स्वामी दयानन्द सरस्वती द्वारा प्रवर्तित आर्य समाज आंदोलन ने भोजपुर सहित सम्पूर्ण बिहार क्षेत्र में सामाजिक जागरण, शिक्षा-प्रसार तथा धार्मिक सुधार की एक नई चेतना उत्पन्न की। उल्लेखनीय तथ्य यह है कि स्वामी दयानन्द ने बम्बई में औपचारिक आर्य समाज की स्थापना से पूर्व ही सितम्बर 1872 में बिहार के आरा नगर—जो वर्तमान भोजपुर जिले का मुख्यालय है—में एक प्रारंभिक आर्य समाज की स्थापना की थी, जिससे भोजपुर का आर्य समाज आंदोलन के आरंभिक इतिहास से गहरा जुड़ाव प्रमाणित होता है। प्रस्तुत शोध लेख समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से भोजपुर जिले में आर्य समाज की सामाजिक परिवर्तनकारी भूमिका का विश्लेषण करता है, जिसमें शिक्षा-प्रसार, जातिगत भेदभाव-विरोध, महिला-सुधार तथा धार्मिक पुनर्जागरण जैसे पक्षों को दुर्खीम, पार्सन्स, ओगबर्न एवं योगेन्द्र सिंह के सैद्धान्तिक ढाँचे में परखा गया है। अध्ययन द्वितीयक स्रोतों पर आधारित ऐतिहासिक-विश्लेषणात्मक पद्धति का अनुसरण करता है तथा आंदोलन की उपलब्धियों के साथ-साथ इसकी सामाजिक सीमाओं की भी आलोचनात्मक समीक्षा प्रस्तुत करता है।

मुख्य शब्द: आर्य समाज, भोजपुर, आरा, सामाजिक परिवर्तन, समाजशास्त्र, शिक्षा, जाति प्रथा, महिला सुधार।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in